नदिया के औ पार

(बुन्देली काव्य संग्रह)

राज़ सागरी

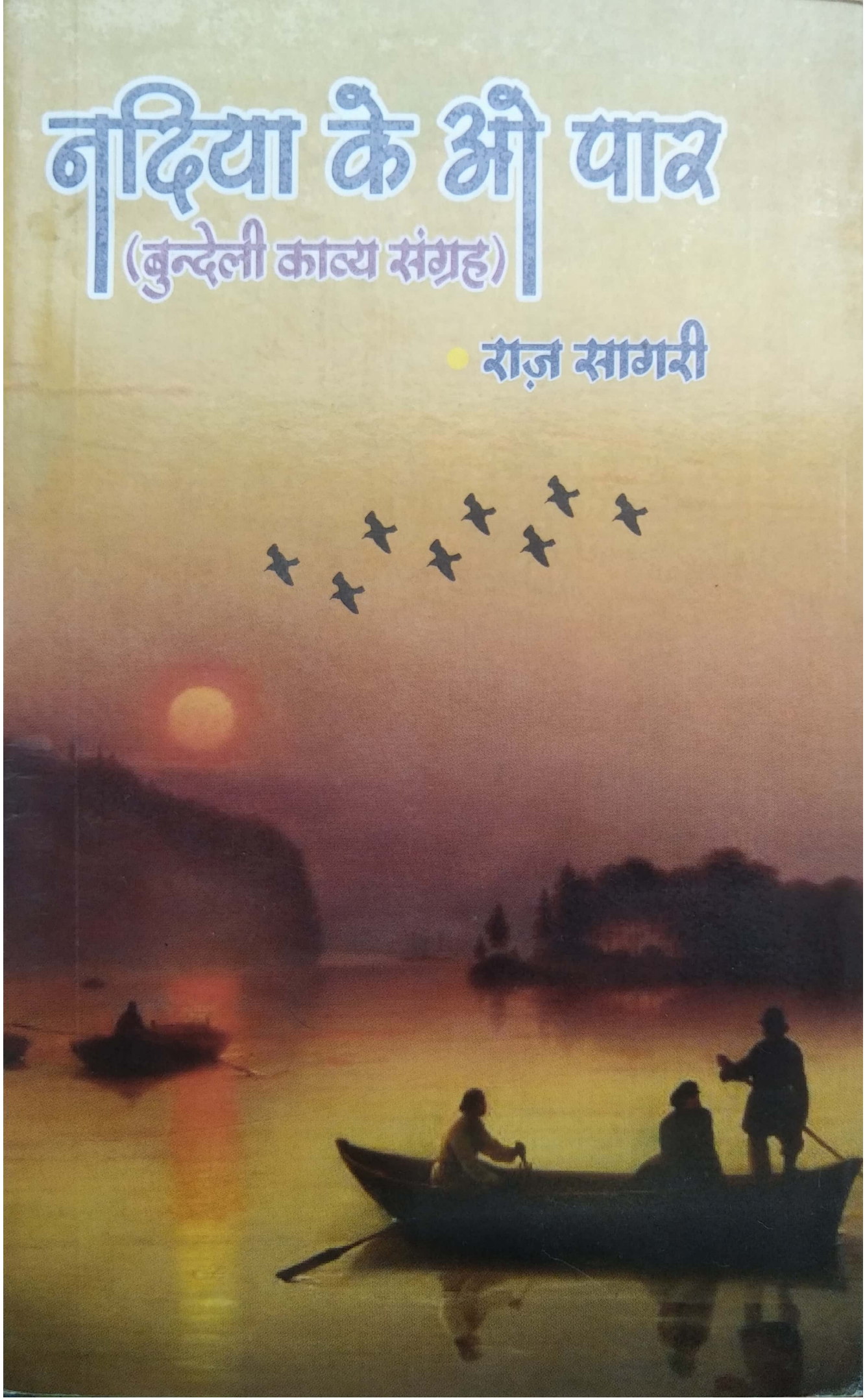

Scanned with OKEN Scanner

नदिया के औ पार

(बुन्देली काव्य संग्रह)

डॉ० सरोज गुप्ता जी
को
सादर - राज़ सागरी
2-10-2020

परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ संत श्री
दादा आनन्दानन्द गोपाल जी महाराज
(गुरुफली पौंड़ी गढ़वाल वाले दादा जी)

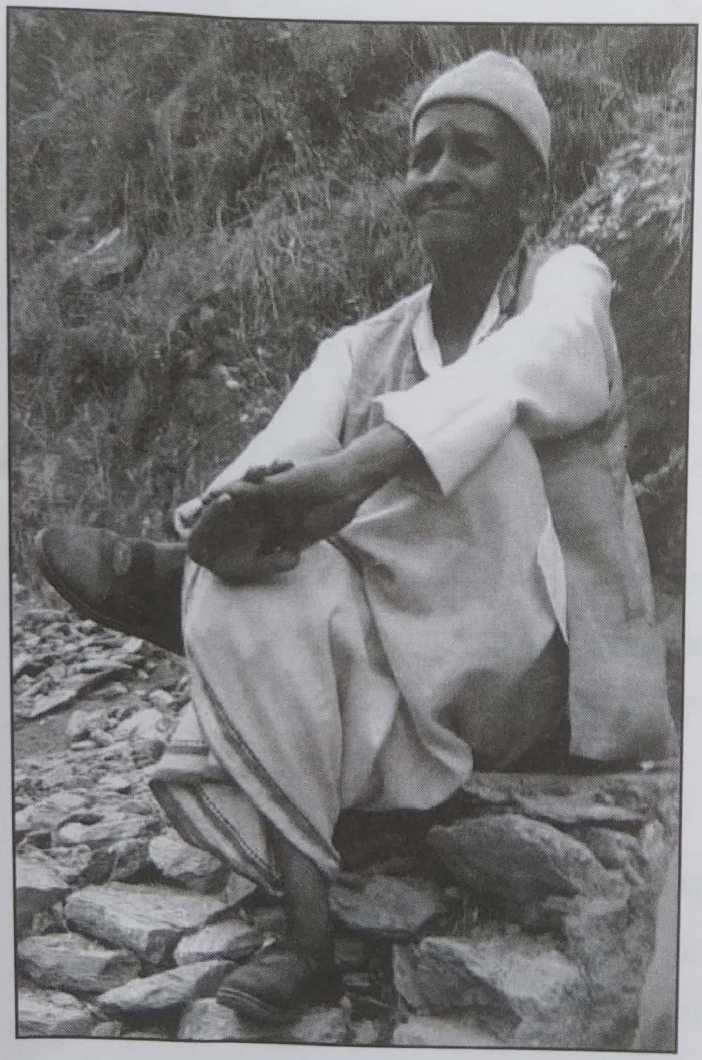

को समर्पित

सारे जहाँ में आपने चमका दिया मुझे
मैं मुख़्तसर था आपने फैला दिया मुझे

राज़ सागरी

Scanned with OKEN Scanner

नदिया के ओ पार
बुन्देली काव्य-संग्रह
राज़ सागरी
मो. 91-9425655132

© लेखकाधीन

ISBN - 978-93-80296-61-6

प्रथम संस्करण सन् - 2020

मूल्य - 200/-

सम्पादन सहयोग
संतोष नामदेव, मनोज नामदेव, दुष्यन्त नामदेव
जयन्त नामदेव, जयप्रकाश सिंह

प्रकाशक
अमन प्रकाशन
नमक मंडी, सागर 470002 (म.प्र.)
मोबा. - 9826434225

अक्षर संयोजन
एक्टिव कम्प्यूटर्स
नमक मंडी, सागर 470002 (म.प्र.)
दूरभाष - 07582-796373

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

- राज़ सागरी मेरी दृष्टि में 5
- साहित्य के त्रिवेणी संगम-प्रयाग राज़ सागरी 11
- श्री राज़ सागरी का अन्दाज़ ए बयाँ और 16
- सज्जनता के पर्याय : राज़ सागरी 17
- लोक संवेदना के उत्कृष्ट शब्द-शिल्पी "सागरी" 18
- बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न श्री राज़ सागरी 19

बुन्देली दोहे

- सूरत सें भोले लगें 21
- बेटा सें बेटी भली 22
- बौ नें तोखों मार है 23
- जीवन है खाली घड़ा 24
- भाँजी भर नें मारिये 25
- नदिया के ओ पार 26
- बिटिया ब्याहें तौ कहाँ 27
- प्रीतम मोरे जो गये 28
- ऐसें आ हम लिख गये 29
- पेंच लड़ाबे कौ कहौ 30
- सब देखत आकाश खों 31
- नें गालिब बन हौं कबउँ 32
- मों पै कपड़ा बाँद लव 33
- कवियों में केवल हमें 34
- तोरी यादों की लगी 35
- छीबे सें इनखों डरै 36
- जनमानस में बैठ कें 37
- डोल रहौ है मान जा 38
- ताजमहल बनवाय दो 39
- आदत सें लाचार हैं 40
- आँखों खों फुरसत नहीं 41
- बे दिन भी का दिन रहे 42
- रचनाऐं ऐंसी लिखौ 43
- देइ देवता करें 44
- ईसुर की लीला बड़ी 45
- मों देखे की दोस्ती 46
- जितनों तुमें भुलात हैं 47
- दारू पी पी कें मरौ 48
- चंदा मामा दूर के 49
- आँखें बंजर हो गईं 50
- दोंदा पेली नें करौ 51
- जेलों में जो बंद हैं 52
- चैन कहाँ हमखों मिलत 53
- मैं खुद खों समझौ तबइं 54
- साँची साँची बोलियो 55
- नें फागें सुनबे मिलें 56
- टूटे सें फिर न जुड़ें 57
- पैले कौ भारत नहीं 58
- नींद उड़ी है रात की 59
- हाँत मिलाबे सें नहीं 60
- सत्य उजागर होत है 61
- बात समझ में आय ना 62
- काय परत जंजाल में 63
- उलटे तुम चल हौ अगर 64
- जे की अच्छी पैठ है 65
- दोहा जो लिक्खौ अगर 66
- पइसा तुम ढीले करौ 67
- दाँव सही जब लगत है 68
- शौंचालय बनवाय दय 69
- पाप पुन्न के फेर में 70

Scanned with OKEN Scanner

- बैर नें रखियो कोउ सें 71
- सेवक हैं जो आपके 72
- दूजौं खों पढ़ हौ अगर 73
- जानें का जादू करौ 74
- मैं मूरख नादान हों 75

बुन्देली ग़ज़लें
- जो करकें बैठे हौ 76
- देश पै आफत 77
- ऐक बूँद लौ टपकैहौ नें 78
- बौ जिद्दी है 79
- लौट आहैगौ 80
- प्यार सें मामलौ 81
- बार पीछें सें 82
- मोरे अँगना चमकै 83
- हम में फूट पड़ी 84
- बच कें आ गय 85
- टेशन पै जा कें देखौ 86
- तें का पाँव पसारें 87
- कल के दबुआ 88
- उनखों आई अकल 89
- हमनें कोशिश करी 90
- तुमखों धूर दई 91
- तुम का लुटा हौ जान 92
- ऊँसइ ऐंठे हौ 93
- आज मजे में 94
- रूठबौ काम उनकौ 95
- अच्छे कामों कौ फल 96
- कैंसें काटे हैं दिन 97
- भुँसारे या शाम 98
- पाँव की जूती 99
- बैठे रैहेंगे 100
- अंदर से तौ रो रय 101
- अपनी बातें बताऔ 102
- तुम्हारी डैस डैस डैस 103

देवी गीत
- माई तोरी मढ़िया में 104
- तेरौ मंदिर लाल निशान 105
- दर्शन खों आये बड़ी दूर सें 106
- माई के दर्शन खों 107
- पायलिया मीठे बोल 108
- रणचण्डी जब बन कें आई 109
- कब सें बैठे आस लगायें 110

गीत
- चलौ जू देखन खों चलिये 111
- दर्शन खों आये बड़ी दूर सें 112
- तुम हौ अमर कथा के वाचक 113
- मोंड़ा के भूत 114
- मोरे संगै जब भी निकरौ 115
- रोजी रोटी के चक्कर में 116
- अँखियों की गागरिया 117
- सूख चले जे 118
- जो तोखों अपनी 119
- सजनवा कब आहौ 120
- बदरवा पानी नें बरसायें 121
- मानवता खों दाग लगै नें 122
- ई नफरत के इंधयारे खों 123
- गाँव छोड़ कें मोरे भइया 124
- नथनियाँ हिरानी 125
- डारें बिछौना 126
- हो गव रे भुंसारौ पहरवा 127
- भौजी खमरिया बारी 128

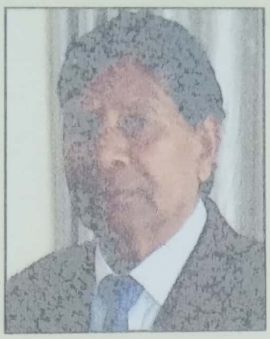

हेमराज नामदेव ''राज़ सागरी''

पिता - स्व. गयाप्रसाद नामदेव

माता - स्व. गुलाबरानी नामदेव

पत्नी - श्रीमती सावित्री देवी नामदेव

जन्म - 1 अप्रैल 1954
सागर (म.प्र.)

शिक्षा - बी.ए.

विशेष - माता गुजरी महिला महाविद्यालय, जबलपुर के बी.ए. तृतीय वर्ष (हिन्दी) के पाठ्यक्रम में राज़ सागरी की ग़ज़लें सम्मिलित हैं।

प्रकाशन-प्रसारण - देश की प्रमुख पत्रिकाओं में निरंतर रचनाओं का प्रकाशन आकाशवाणी एवं दूरदर्शन से समय-समय पर रचनाओं का प्रसारण एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों और मुशायरों में शिरकत।

सम्प्रति - आयुध निर्माणी खमरिया, जबलपुर से सेवानिवृत्त

पता - एच. आई. जी. /बी 3 - शिवम हास्पिटल के सामने, सुभाष नगर, महाराजपुर, जबलपुर (म.प्र.) मोबा. 9425655132

सम्मान - छत्तीसगढ़ के राज्यपाल द्वारा मुश्तिफा हुसैन 'मुश्फिक' सम्मान, से लेकर साहित्य शिरोमणि, साहित्य श्री, साहित्यरत्न, कलमवीर सम्मान, मातृभाषा गौरव सम्मान, अ.भा. अम्बिका प्रसाद दिव्य स्मृति प्रतिष्ठा पुरुस्कार सोज़ निजामी अवार्ड, साज़ सम्मान, आल्हा प्रतिभा अलंकरण, राजकुमारी माथुर काव्य पुरुस्कार, पं. गोविन्द प्रसाद मिश्र 'लोक सम्मान', बुन्देली श्री, बुन्देल भूषण सहित अखिल भारतीय स्तर के अनेकों सम्मान प्राप्त।

Scanned with OKEN Scanner

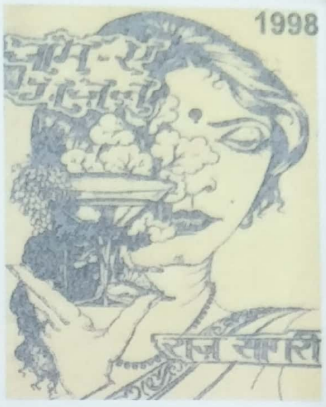

राज़ सागरी की प्रकाशित कृतियाँ

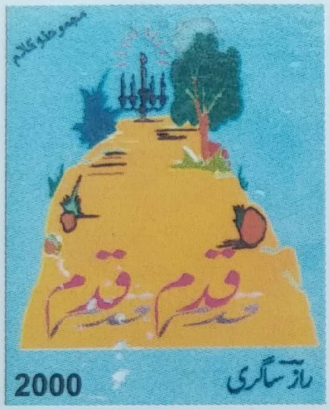

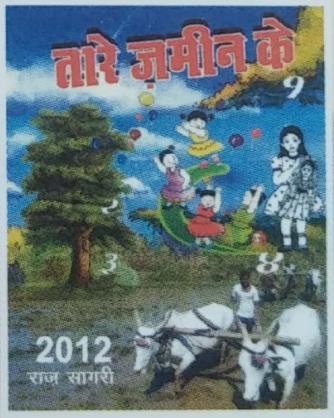

कृति संकलन - मनोज नामदेव, सागर
मो. 91-9424459842

अमन प्रकाशन
सागर - 470002 (म.प्र.)
मोबाइल : 9826434225

ISBN- 978-93-80296-61-6

₹ 200

Scanned with OKEN Scanner